बिहार में राहुल यात्रा का चुनावी हासिल क्या

सच को समर्पित समाचार पत्रिका

29 सितंबर 2025, मूल्य ₹ 50

आउटलुक

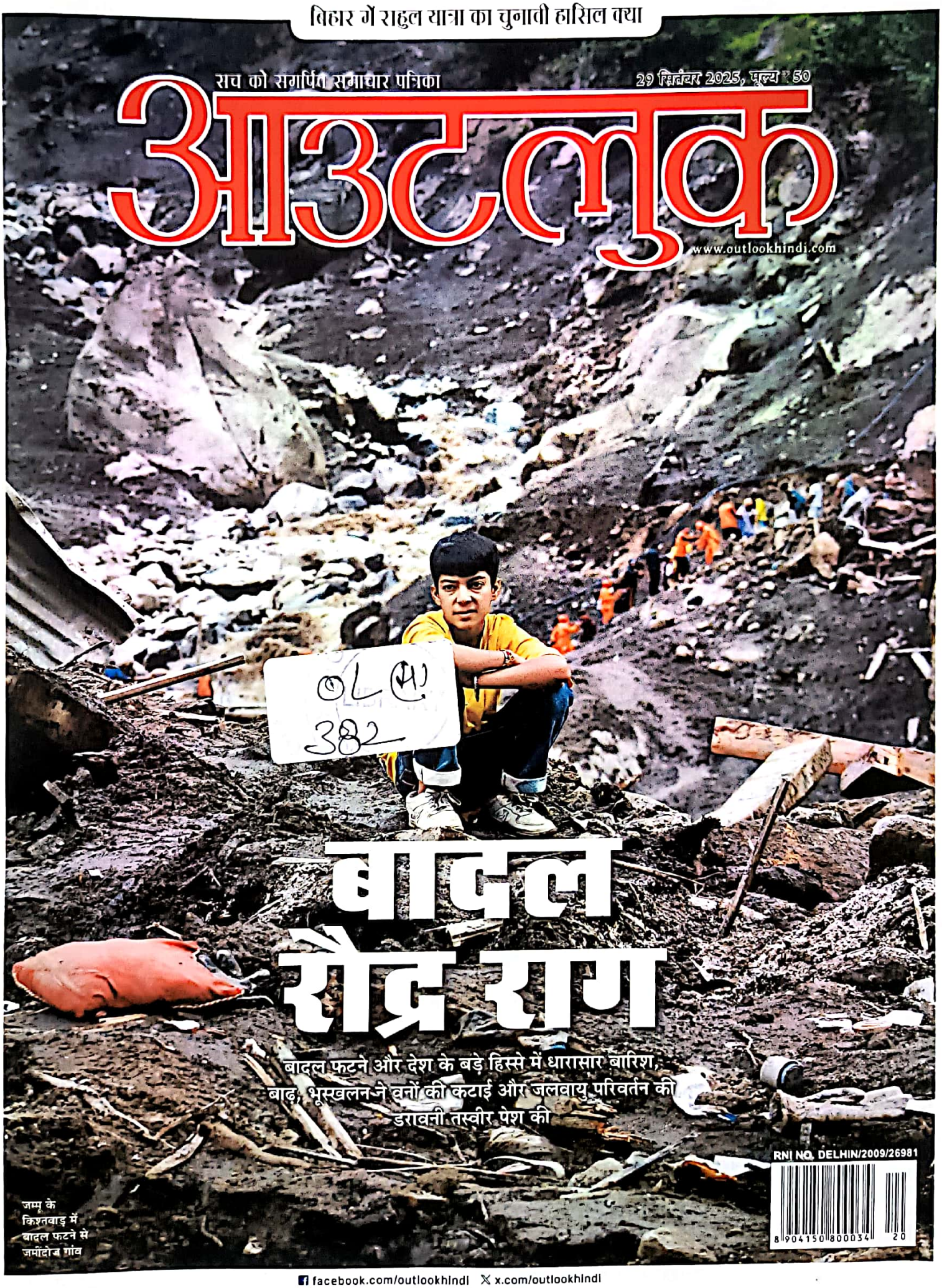

www.outlookhindi.com

OL (M)
382

बादल रौद्र राग

बादल फटने और देश के बड़े हिस्से में धारासार बारिश, बाढ़, भूस्खलन ने वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन की डरावनी तस्वीर पेश की

जम्मू के किश्तवाड़ में बादल फटने से जमींदोज गांव

RNI NO. DELHIN/2009/26981

Scanned with CamScanner

18 प्रलय प्रकृति कोप

हिमालयी प्रदेशों में बादल फटने, मैदानी इलाकों में प्रलयंकारी बाढ़, और बड़े शहरों तथा महानगरों में जल-जमाव से अस्त-व्यस्त जीवन ने बेपनाह शहरीकरण की पोल खोली

24 नजरिया: हिमांशु ठक्कर
26 इंटरव्यू: अनिल कुमार
28 नजरिया: हृदयेश जोशी
36 वन कटाई: विनाश को बुलावा

08 बिहार: परीक्षा के चुनाव

40 कर्नाटक: दशहरे की फांस

42 खेल: बदरंग विवाद

कवर फोटो: गैटी इमेजेज

आउटलुक
वर्ष 17, अंक 20

संपादक: गिरिधर झा
एडिटोरियल कंसल्टेंट: हरिमोहन मिश्र
वरिष्ठ सहायक संपादक: आकांक्षा पारे काशिव
ब्यूरो टीम: उपासना पांडेय, राजीव नयन चतुर्वेदी, मनीष पांडेय, मयंक रस्तोगी
डिजाइन: रोहित कुमार राय, (सीनियर डिजाइनर) रजीत सिंह (विजुअलाइजर)
फोटो संकलन: त्रिभुवन तिवारी (डिप्टी फोटो संपादक), संदीपन चटर्जी, सुरेश कुमार पांडे (स्टाफ फोटोग्राफर)

बिजनेस कार्यालय:
चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर: इंद्रनील रॉय
प्रकाशक: संदीप कुमार घोष
डायरेक्टर ब्रांड ऐंड मार्केटिंग: श्रुतिका दीवान
सीनियर जनरल मैनेजर: देवयानी टैगोर, शैलेन्द्र वोहरा
सर्कुलेशन ऐंड सब्सक्रिप्शन: गगन कोहली, डी. रमेश (साउथ), कपिल दल (नॉर्थ), अरुण कुमार झा (ईस्ट), मनोज काबले (वेस्ट)

प्रोडक्शन:
जनरल मैनेजर: शशांक दीक्षित
मैनेजर: सुधा शर्मा, गौरव श्रीवास (एसोसिएट मैनेजर), गणेश साह (डिप्टी मैनेजर)
अकाउंट:
वाइस प्रेसिडेंट: दीवान सिंह बिष्ट
हेड, सेल्स ऑपरेशंस: मनीषा मिश्रा
कंपनी सेक्रेटरी एवं लॉ ऑफिसर: अंकित मंगल
प्रधान कार्यालय: ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
संपादकीय कार्यालय: ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029

संपादकीय ईमेल
edithindi@outlookindia.com
ग्राहकों के लिए संपर्क: 9266855837/9266855636
कार्यालय समय: सुबह 10 से शाम 6 बजे तक
yourhelpline@outlookindia.com
संपादक: गिरिधर झा
आउटलुक पब्लिशिंग (इंडिया) प्रा.लि. की तरफ से इंद्रनील रॉय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित। एमपी प्रिंटर्स (ए यूनिट ऑफ डी.बी. कॉर्प. लिमिटेड), बी-220/223, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 नोएडा, यूपी से मुद्रित और ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली से प्रकाशित।

15 सितंबर से 28 सितंबर 2025 के लिए प्रकाशित कुल पृष्ठ संख्या 60 कवर सहित

छिंदवाड़ा : मध्यप्रदेश पर्यटन का उभरता सितारा

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग ने होम स्टे विकसित करने की योजना के जरिए छिंदवाड़ा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का काम किया है।

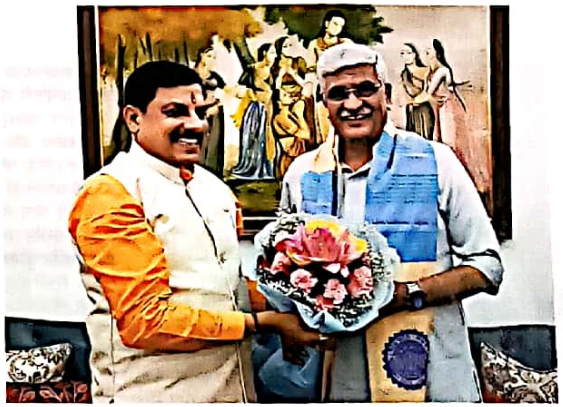

मध्यप्रदेश पर प्रकृति की विशेष अनुकंपा रही है। मध्य प्रदेश की जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजातीय संस्कृति देश और विदेश के सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। सतपुड़ा की वादियों में बसा हुआ छिंदवाड़ा जिला बीते कुछ समय में पर्यटकों की पसन्द बनकर सामना आया है।

होम-स्टे विकास ने बदली तस्वीर

मध्यप्रदेश में होम-स्टे के माध्यम से पर्यटकों को ग्रामीण जीवन और जनजातीय संस्कृति से रूबरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के 100 गावों को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका विशेष लाभ छिंदवाड़ा को मिला है। होम-स्टे विकसित करने की योजना ने छिंदवाड़ा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का काम किया है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और स्वच्छ भारत मिशन के सारे मापदंडों पर पूरा उतरते हुए छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्राम सावरवानी ने ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम में आकर फाइव लीफ रेटिंग हासिल की है। स्वच्छता में फाइव लीफ रेटिंग पाने वाला ग्राम सावरवानी का वेदिका हिल्स होम-स्टे देश का पहला होम-स्टे बन गया है।

छिंदवाड़ा को मिली नई पहचान

छिंदवाड़ा तेजी से स्थायी ग्रामीण पर्यटन के एक मॉडल के रूप में विकसित हो रहा है। यह दर्शाता है कि कैसे संस्कृति और प्रकृति का संरक्षण आर्थिक प्रगति के साथ सह-अस्तित्व में रह सकता है। जो लोग शांति, प्रामाणिकता और धरती से गहरा जुड़ाव चाहते हैं, उनके लिए छिंदवाड़ा एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है जिसकी तुलना शहरी जीवन से नहीं की जा सकती।छिंदवाड़ा प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक विकास का एक सहज समन्वय प्रस्तुत करता है। यह स्थायी ग्रामीण पर्यटन का एक आदर्श उदाहरण है।

पर्यटकों को मिल रहा अनूठा अनुभव

देश दुनिया से छिंदवाड़ा आने वाले पर्यटकों को अभूतपूर्व अनुभव प्राप्त हो रहा है। पर्यटकों का स्वागत ढोलक और मंजीरे पर भक्ति संगीत के साथ किया जाता है। इस दौरान आदिवासी नृत्य प्रस्तुतियों का आनंद लिया जाता है। पर्यटक दैनिक ग्रामीण गतिविधियों जैसे गायों का दूध दुहना, खेती में मदद करने के साथ ही, ट्रैकिंग में भी शामिल होते हैं। बैलगाड़ी की सवारी और स्थानीय रीति-रिवाजों के बारे में कहानी सुनाने के सत्र यात्रियों को क्षेत्र की परपराओं से जुड़ने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करते हैं। पर्यटन से संबंधित रोजगार के इस संचार ने पलायन को रोकने में मदद की है।आदिवासी परिवार अब अपने पैतृक घरों को छोड़े बिना ही एक स्थिर आय अर्जित कर रहे हैं।

युवा ग्रामीण अब गाइड, कलाकार और सांस्कृतिक दूत के रूप में काम कर रहे हैं। इसने शिक्षा और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित किया है।

पलायन से मिली राहत

जब से छिंदवाड़ा में होम-स्टे विकसित किए जा रहे हैं, तब से पलायन की समस्या से निजात मिल रही है। छिंदवाड़ा के 12 गांवों को पर्यटन ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इनमें से 7 गाव सावरवानी, देवगढ़, काजरा, गुमतरा, चोपना, चिमटीपुर और घूसावानी में 36 होम-स्टे पर्यटकों के लिये खोले जा चुके हैं। पर्यटन विभाग के इस कदम से ग्रामीण युवा गाइड के रूप में अपनी आय का सृजन कर रहे हैं। ग्रामीण जीवन, लोक नृत्य सैलानियों को लुभा रहा है।

हर पर्यटन ग्राम की अपनी पहचान

छिंदवाड़ा जिले के हर पर्यटन ग्राम की अपनी विशेषता है। छिंदवाड़ा के पातालकोट में आने वाले साहसिक पर्यटन के शौकीन पर्यटक, एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद उठा सकते हैं। इसी तरह छिंदवाड़ा का जनजातीय संग्रहालय, जिले की स्थानीय जनजातियों की अनूठी जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करता है।

पेंच नेशनल पार्क के बाघ हों या तामिया की प्राकृतिक सुंदरता, पर्यटकों को यहां बार-बार आने के लिये प्रेरित करती है। पर्यटन विभाग के प्रयासों से आज छिंदवाड़ा सिर्फ पर्यटन नहीं बल्कि सतत ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय मॉडल बन रहा है।

Scanned with CamScanner